

किंकिपुत्र ज ४०

कानपुतिजजमानस्य
शामरुशामडायावि
लादितेऽथविजयजायः
नेपाजमल्लसुलिम
उपनेपालदेहे ॥ शु
पमकाष्टपुलीमहान
जालेऽजजलिपालनान
माहाविहाजनिवासिग ॥
शिरपुवालिमुखधम्म
धनुवाग्धपुजवित्रा
जिह्व ॥ उरुजाहिमुख
शसोकमनीहजवान् ॥
दवाकृपावसंति

स तु या डा १

आमरुआमडायावि
लाकिगणवविजयगार्
नेपालमंडुममलिम
उपनेपालडुआ॥स्व
पपुजनामनगारवि
जाकिगःआभक्तमनी
एयवानुजिजाकिग
दिभयानाम
इवाकिगासंजलन
वलिनादि

आभक्तमनी

224

I

वपंपुली डा १

आमरुआमडायावि
किगणवविजयगार्
नेपालमंडुममलि
मंडुपनेपात्रडुआ॥
वपंपुलीनामनगार
दिजाकिगःआभक्तमनी
मयमडायाविजाकि
गणवविजाकिग
दिभयानाम
इवाकिगासंजलन

किपुजीवा ज १

अमरुणीमडायावि
लोकिनेष्वविजयता
क॥ नपातमंलुजमनि
मंलुपे॥ नपाजद॥
आचर्यरुधर्मधनुवा
उपध्वजविजयकमय
जाडिह
इवाकगपुसात्रल

पका ज २

नत्रिडपुलीनामनज
त्रविजाडिह, आधर्म
धनुवा जष्वज इवा

वाजागम ज २

आवाजामनगलेवि
जाडिह x आधर्मध
नुवा जष्वज विजाडि
गपूर्वादिपुख इवा

होरवा ज १

आवा नामनज ॥
आधर्मधनुवा जष्वज
ज

योसिगम अ १

ओयोसिगम मनज प्रवि
जाडि तु पुवति सुख ध
म्वधु वा ज्य ध्वज

मा कृगम अ ३

ओमा कृ पूग नाम नग
प्रवि जाडि न पुवति सु
ख ध म्वधु वा ज्य ध्वज

स्वावगम अ २

ओपुं क्र न स ज प्रि रु
ओगम क मूनी विरो
ओध म्वधु वा ज्य
ध्वज

माजति ध

नगम अ १

ओ नगार्जस गका जित
ओध म्वधु वा ज्य ध्वज
प्रवि जाडि न

पागम अ ३

ओतंका पूजी स स का
प्रि रु ओध म्वधु वा ज्य
ध्वज

ओवग अ २

वीवाहाज ५

१ श्री कृष्ण पात्रपुत्रीन
गले विगाडि रुः
उरु गालि मुखे श्री
श्रुता विलास्य
प्रविगाडि

काजक

१६ नमो ब्रह्माय
ॐ नमो ब्रह्माय विजार्ज
मान्य नमो कसिंह गथा
गर्हः प्रध्यायां एउक
त्यैः सह नमो लोक
उः वेवत्सुन मंतत्र ॥
सत्यः नमोः द्वापरागः
कलियुग ॥ प्रथमच
जलः एउग रवीलः उ
रुपांचालहमनपादे
वासुकि कथः उपरु

डाह पिथ ॥ अथावि
रुपल्लवमोः कर्का
ठक नागजाजाय ॥ ना
गपासाहिः महाहड
एत ॥ विपश्चित्त
गता विहित इह
पमक लिकायां ॥ स
मृत्पुत्रः शुभं ज्योती
रवर्जनिना दुव्यादि
विग ॥ प्रल्लवमं गु
मर्शु श्यां दिवित
रमोः सफरन विवि
नः

नेपातमंडय॥ जागः मा
गीव॥ संखचो॥ सिद्धि
रुजाव॥ धमनाचो॥ प
बहुपाकासएग॥ क
कुकुंडीवाका॥ एगवा
जमति॥ के उभवनिपा
नासि॥ के उभवनिम
लिचुउपुलवाएव॥
मममतिवसुधजाद
वीपुलाव॥ समुल्लतं॥
उलावनिनडिपुलाहि
न॥ पु॥ अ॥ अ॥ अ॥

५ मंलिजंगवयकायगु॥
उगदाधंसमिथसिद्धि
पजिबुनमजात्रनय॥
संमयमंडुजाकाले॥
वजयाजिन्नादीयागी
नीगलः दजकोठअक
माएकाः अकहेत्रवः
सिद्धिः व्याधि॥ गलस
कुमालः हात्रतिः हन
मंगादिदणदिजालीक
पालसवितत्र॥ नग
नेपाजीगलगतः लजी
उपुल्लम॥ अमडाया

वलाकि न श्वर विजय
जाय ॥ श्री १ महाशक्ति
विजयति हवल विज
विज सा हृदयः तम
जस्य जगन्ना ॥ सदास
मजवीजय जाय ॥ वा
गमयायांद कलक
न्य ॥ के श्वरयायांप
र्वकन ॥ मलिमया
यांपकिमकन्य ॥
परावयायांड क
न्य ॥

ॐ हे स्थाने ककली
उक्त श्वरी पसुपति
सनीधने ॥ प्रलिरुप
उनाडी मलिकुत्रमि
वासिरु ॥ मलिमल
पः ॐ हे वपुल्यरुमा
कये ॥ श्रीमदायाव
लाकि न श्वर विजय
जाय ॥ ॐ हे वस्थान
महादानवाकः स्व
सिः नृकथानुमान
न

दानपुमिज्जमानस्य ॥
उधनामः पुण्णुगोपो
गदिः सपत्रीवाजकस्य
सवेष्णाना ॥ नानाधनो
जायुः श्राज्जग्य सुखे
यदि संप्रावति काम
नायाः मनादिजमित्त
काजः पूर्वजन्मनवा
ॐ हजन्मनवा ॥ हजना
होपकृतदध्मकृष्ण
दिग्रहनाजचो जोड
कागिः विषण्णसुपज

वक्रइहिकादिः नाना
जोगः स्वकइइखकषु
वाधिरयहजल्लनक्रं ॥
ॐ हजन्मनवाः अत्रि
जायुः गालाग सफव
धिः अष्टे अयादिदु
लप्राफिका मनाया ॥
उत्री पूर्वकृत्या ॥ पज
गसुरवावमिजजइइ
खइइककाजक ॥ अ
संमयकसंवद्वपुड
प्राफिका मनाया ॥

यथा सा सा रु जा वा पु
ग रु सि दि नेः
ओ म नु ओ ओ ध म्म
ध नु वा ग्ग अ नः ओ
उ म्म का रु प लः ओ
उ ग रु पा ल ना म
मा हा वि हा न ध ने वा
सि नः पु वा हि म्भु ॥
अ यी र ध म्म धा नु वा
ग्न अ नः इ वा रु गां व
सं न ल न य न ला दि
दि य तं सं क रु —

कायगुदवयात १

फलसयात गुण १

सह उपाध्या १

गुणशक्ति माल १

काउया

पुलि कि पुद जया

गुणि अर्घ्या काउ

न्याग

सिद्धत १०४० सात्रं

पु। सिद्धि माद वडा

रा कौडया धम जी नो

कायगुदवयात

२२५

I